तत्काल उद्घाटन हेतु

प्रेस विज्ञप्ति

कोडेक्स के 60 साल पूरे होने का भारत में जश्न : उपभोक्ता स्वास्थ्य की सुरक्षा और उचित खाद्य व्यापार है लक्ष्य

"यह सुनिश्चित करने के लिए कि खाद्य सुरक्षा सबसे आगे रहे, कोडेक्स गतिविधियों में सहयोग और निरंतर भागीदारी आवश्यक है" - **श्री सुधांश पंत, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा चेयरपर्सन, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण**

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर 2023 - कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (सीएसी) उपभोक्ता स्वास्थ्य की रक्षा और खाद्य व्यापार में निष्पक्ष प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1963 में एफएओ और डब्ल्यूएचओ द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) भारत के लिए राष्ट्रीय कोडेक्स संपर्क बिंदु है।

इस वर्ष कोडेक्स अपनी 60वीं वर्षगांठ मना रहा है और इस मील के पत्थर को मनाने के लिए, खाद्य व्यापार में सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एफएसएसएआई ने फिक्की के सहयोग से 27 अक्टूबर 2023 को अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानकों का एक संग्रह 'भारत कोडेक्स के 60वें वर्ष का जश्न मनाता है' विषय पर दिल्ली में एक सेमिनार का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में कुछ प्रतिष्ठित नामों की उपस्थिति देखी गई, जिनमें श्री सुधांश पंत, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, श्री जी कमलावर्धन राव, सीईओ, एफएसएसएआई और श्री राज राजशेखर, उपाध्यक्ष, सीएसी के नाम सम्मिलित हैं। प्रारंभिक टिप्पणियों के दौरान इन सम्मानित व्यक्तियों ने वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा नीतियों को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानकों के सामंजस्य के माध्यम से व्यापार को बढ़ावा देने में कोडेक्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के अध्यक्ष श्री सुधांश पंत ने पिछले छह दशकों में अनुकरणीय योगदान के लिए कोडेक्स को बधाई दी और विज्ञान-आधारित रूपरेखा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि विकासशील

देशों की सक्रिय भागीदारी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने विज्ञान आधारित ढांचे और विकासशील देशों से सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। उन्होंने नई चुनौतियों और प्रौद्योगिकियों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, "कोडेक्स गतिविधियों में सहयोग और चल रही भागीदारी यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि खाद्य सुरक्षा सबसे आगे रहे।" श्री पंत ने आश्वासन दिया कि भारत सरकार "खाद्य नियमों को आधुनिक समय के अनुरूप लाने की आवश्यकता से पूरी तरह परिचित है"। एक नया खाद्य सुरक्षा विधेयक (खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 में संशोधन) लगभग तैयार है। उन्होंने कहा, "आगामी संसद सत्र में इसे पेश करने का प्रयास चल रहा है।"

उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य भाषण में, एफएसएसएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री जी कमलावर्धन राव ने बदलती खाद्य आदतों और अत्याधुनिक खाद्य नवाचारों से जुड़ी उभरती चुनौतियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित किया। उन्होंने वास्तविक मानकों को स्थापित करने और जनता को सुरक्षित भोजन की डिलीवरी सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह "वैज्ञानिक समुदाय के लिए अनिवार्य है।" उन्होंने इसे सुनिश्चित करने में सीएसी के महत्व पर भी जोर दिया।

वैश्विक खाद्य सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप, सीएसी के उपाध्यक्ष श्री राज राजशेखर ने कोडेक्स के उल्लेखनीय विस्तार पर प्रकाश डाला। इसकी उत्पत्ति विकसित देशों के एक छोटे समूह से लेकर 188 सदस्य देशों और एक सदस्य संगठन के साथ एक मजबूत संगठन तक हुई। उन्होंने इसके सर्वोपरि महत्व पर जोर देते हुए इस बात पर जोर दिया कि खाद्य सुरक्षा हर संगठन और सरकार में एकीकृत है।

श्री राजशेखर ने खाद्य सुरक्षा मानदंडों को आकार देने में एफएसएसएआई की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और खाद्य सुरक्षा नियमों को तैयार करने में उद्योग और नागरिक समाज सहित बहु-हितधारक भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने नीदरलैंड के एक अध्ययन का हवाला देते हुए मानव रक्तप्रवाह में माइक्रोप्लास्टिक्स के प्रवेश जैसी उभरती चिंताओं को भी संबोधित किया। उन्होंने खाद्य पैकेजिंग के लिए वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों के आविष्कार की तात्कालिकता पर जोर देते हुए ये बातें कहीं।

उद्घाटन सत्र ने कोडेक्स के भविष्य और आने वाले दशक में अधिक से अधिक कोडेक्स भागीदारी के लिए क्षमता बढ़ाने की अनिवार्यता पर दो प्रबुद्ध पैनल चर्चाओं का मार्ग प्रशस्त किया। मसालों और पाक जड़ी-बूटियों पर कोडेक्स समिति की मेजबानी, खाद्य स्वच्छता और दूषित पदार्थों पर विभिन्न सत्रों की सह-मेजबानी, और कोडेक्स प्रणाली के भीतर कार्य समूहों की अध्यक्षता और सह-अध्यक्षता जैसी उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ, कोडेक्स गतिविधियों में भारत की बढ़ती भागीदारी को मान्यता दी गई।